

बुद्धिमत्ता के जीन की तलाश एक बार फिर

वैज्ञानिकों ने इस बार करीब 1 लाख लोगों का अध्ययन करके तीन जेनेटिक भिन्नताओं को आईक्यू से जुड़ा पाया है मगर व्यक्ति की बुद्धि पर इनका असर नगण्य पाया गया है। यह अध्ययन न्यूयॉर्क में इथाका स्थित कॉर्नेल विश्वविद्यालय के समाज वैज्ञानिक डेनियल बेंजामिन के नेतृत्व में किया गया।

शोधकर्ताओं ने पाया कि 69 जीन्स उच्च शैक्षिक उपलब्धियों से जुड़े हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि इन जीन्स और व्यक्ति की शैक्षिक उपलब्धियों का कोई कार्य-कारण सम्बंध है। मतलब सिर्फ इतना है कि ये 69 जीन और शैक्षिक उपलब्धि साथ-साथ चलते हैं। इनमें से तीन जीन्स का सम्बंध बेहतर (थोड़ी बेहतर) संज्ञान क्षमता से देखा गया।

इस तरह के अध्ययनों का एक लंबा इतिहास रहा है। बात सामान्य अवलोकन से शुरू होती है कि बुद्धिमान मां-बाप के बच्चों के बुद्धिमान होने की संभावना ज्यादा होती है। मगर इस मामले में यह ध्यान रखना आवश्यक है कि मां-बाप बच्चों को सिर्फ जीन्स नहीं देते, परवरिश भी देते हैं। यानी बहस इस बात पर है कि बुद्धि जीन्स से निर्धारित होती है या परवरिश से (प्रकृति बनाम परवरिश)।

इस समस्या को सुलझाने के लिए जुड़वां बच्चों पर कुछ अध्ययन किए गए। यह जरूर है कि इन अध्ययनों से इतना तो लगता है कि बुद्धि में जेनेटिक्स का कुछ योगदान तो है मगर यह स्पष्ट नहीं है कि कितना। वैसे 'जुड़वां अध्ययनों' पर कई सवाल भी उठते रहे हैं। इसके बाद नंबर आया डीएनए यानी आनुवंशिक पदार्थ में बुद्धि की तलाश का। इन अध्ययनों की पद्धतियों से तंग आकर 2012 में शोध पत्रिका *बिहेवियर जेनेटिक्स* ने अपने संपादकीय में लिखा था, "ऐसा लगता है कि पिछले पूरे दशक में प्रकाशित निष्कर्ष गलत या गुमराह करने वाले थे।"

इसके बाद पद्धतियों में सुधार आया और निष्कर्षों को ज्यादा सख्त मापदंडों पर परखना शुरू हुआ। इस प्रकार का एक अध्ययन 2013 में किया गया था जिसमें 1 लाख 26 हजार व्यक्तियों के जीनोम की तुलना की गई थी। उस अध्ययन में पहचाना गया था कि तीन जीन्स के विभिन्न रूपों का सह-सम्बंध इस बात से है कि कोई व्यक्ति स्कूलों में कितने साल अध्ययन करता है या क्या वह कॉलेज तक पहुंचता है। मगर यह सम्बंध नगण्य ही था। और यह तो सब जानते हैं कि स्कूल जाना-न-जाना, कॉलेज में पहुंचना-न-पहुंचना काफी हद तक परिवार की सामाजिक-आर्थिक स्थिति से तय होता है। और स्कूल-कॉलेज में उपस्थिति का बुद्धि से सम्बंध तो और भी शंकास्पद है।

लिहाजा, आईक्यू और जीन्स का सम्बंध देखने के लिए एक और अध्ययन किया गया। इस बार शोधकर्ताओं ने 69 ऐसे जीन रूप पहचाने जिनका सम्बंध शैक्षिक स्तर से दिख रहा था। इनका सम्बंध उन व्यक्तियों के आईक्यू प्रदर्शन से देखने की कोशिश की गई। 24,000 व्यक्तियों के इस अध्ययन में देखा गया कि तीन जीन रूप व्यक्ति के शैक्षणिक स्तर और आईक्यू दोनों से सम्बंध रखते हैं। मगर इन जीन रूपों की उपस्थिति और अनुपस्थिति से आईक्यू स्कोर में मात्र 0.3 अंकों का असर पड़ता है। यानी किसी व्यक्ति में यदि इन तीनों जीन के सही रूप मौजूद हों तो उसका आईक्यू करीब 2 अंक बढ़ जाएगा।

यह तो कोई बड़ी बात नहीं है। इसलिए बेंजामिन का कहना है कि अब उन्हें यही अध्ययन 10 लाख लोगों पर करना होगा, तभी वे कुछ निश्चित तौर पर कह सकेंगे। अन्य वैज्ञानिकों का मत है कि यह असर इतना कम है कि इसमें मिथ्या परिणाम मिलने की संभावना बहुत अधिक है। शायद उन कारकों पर ध्यान देना बेहतर होगा जिनके असर ज्यादा स्पष्ट हैं - जैसे पोषण का स्तर, शिक्षा के अवसर वगैरह। (*स्रोत फीचर्स*)